दिनांक : 14 जनवरी, 2014

ब्रिटिश सरकार और आपरेशन ब्लू स्टार

अरूण जेटली
राज्य सभा में विपक्ष के नेता

जून 1984 का ब्लू स्टार आपरेशन आजाद भारत में सरकार की सर्वाधिक विवादित कार्रवाई में एक रहेगा। नरम दल के अकालियों को हाशिये पर डालने करने के लिये उग्रवादियों की उपेक्षा की गई। स्वर्ण मंदिर से कट्टर उग्रवादियों से भारी मात्रा में हथियार बरामद करने के बजाय सरकार ने दूसरे विकल्प पर गौर करना शुरू कर दिया। उसने सोचा कि नरम दल के सिख नेताओं का वजूद न रह जाए। संभवत उसकी योजना थी कि 1984 के चुनाव से से ठीक पहले उग्रवादियों के साथ पुलिस सेना का मुकाबला हो जाएगा और फिर जब चुनाव हों तो पंजाब को बचाने और आतंक से भारत को बचाने का देशभक्ति का नारा देकर कांग्रेस 1984 का चुनाव जीत जाएगी।

उस समय जो भारत सरकार में थे उन्होंने इन घटनाओं का अलग अलग उल्लेख किया। जब डा पी सी अलेक्जैंडर के वृतांत का कुछ वर्षो पहले विमोचन हुआ तो उस मौके पर मैं भी मौजूद था। वह मई-जून 1984 में प्रधानमंत्री के प्रधान सचिव थे और संभवत जो कुछ हुआ उसके साक्षी थे। उनकी पुस्तक में आपरेशन ब्लू स्टार का एक अध्याय यह अभास देता है कि जब डा पी सी अलेक्जैंडर और संत लोंगोवाल के वाच वार्ता विफल हो गई तो जनरल वैद्य को मई 1984 के अंत में बुलाया गया और उनसे सैनिक कार्रवाई के लिये तैयार रहने को कहा गया। क्या सरकार ने सैनिक कार्रवाई के असर के बारे में जरूरी गुप्तचर और राजनीतिक जानकारी हासिल की थी जिसका असर अत्यंत देशभक्त सिख समुदाय पर पड़ता। निश्चित तौर पर इस बारे में भारत सरकार ने विचार नहीं किया। 'आपरेशन ब्लू स्टार' का असर यह हुआ कि न केवल सिख समुदाय अलग-थलग पड़ गया बल्कि श्रीमती इंदिरा गांधी की हत्या हो गई और देश भर में सिखों का नरसंहार हुआ।

विवादास्पद आपरेशन ब्लू स्टार के फैसले को लेकर भारत में हम बहस करते रहते हैं लेकिन ब्रिटेन में प्रकाशित नये दस्तावेज इस बारे में कुछ और ही जानकारी देते हैं। इंगलैंड में 30 वर्ष के बाद गोपनीय दस्तावेजों को सार्वजनिक करा दिया जाता हैं। फरवरी 1984 के दस्तावेज प्रकाशित कर दिए गए हैं। ये सब अत्यंत गोपनीय दस्तावेज हैं।

10 डाउनिंग स्ट्रीट के प्रधान सचिव ने स्वर्ण मंदिर से असंतुष्ट सिखों को निकालने के लिये बनी योजना के बारे में 6 फरवरी 1984 को विदेश और राष्ट्रमंडल कार्यालय को पत्र लिखे थे। उन्होंने लिखा था ''प्रधानमंत्री की राजामंदी है कि विदेश सचिव को वैसा ही करना चाहिये जैसा वह चाहते हैं। वह सलाहकार की यात्रा पर एक रिपोर्ट की मिलने का इंतजार करेंगी और गृह सचिव को सूचित किया जाएगा अगर भारतीय इस योजना पर आगे बढ़ना चाहते हों।। क्या ''आपरेशन ब्लू स्टार'' की योजना ब्रिटेन की सलाह पर बनाई गई?

हमें जो जानकारी दी गई कि मई 1984 में वार्ता विफल हो जाने के कारण आपरेशन ब्लू स्टार हुआ, उसके उलट भारत सरकार पवित्र स्वर्ण मंदिर से सिखों को हटाने की योजना के बारे में ब्रिटेन सरकार से वार्ता कर रही थी। यह पत्र 23 फरवरी 1984 को ब्रिटेन के गृह सचिव को ब्रायन फाल के पत्र भेजने के बाद जारी किया गया था। इस पत्र में इंगलैंड में सिखों पर होनेवाले प्रतिकूल असर का उल्लेख किया गया था। इसमे साफ लिखा था, ''भारतीय अधिकारियों ने हाल में अमृतसर के स्वर्ण मंदिर से सिखों को हटाने की योजना के बारे ब्रिटेन से सलाह मांगी है। विदेश सचिव ने भारत के अनुरोध और प्रधानमंत्री के साथ समझौते के अनुसार जबाब भेजा। ब्रिटेन का एक अधिकारी भारत गया और उसने एक योजना बनाई जिसे श्रीमती इंदिरा गांधी ने मंजूरी दी थी। विदेश सचिव का मत था कि भारत भारत सरकार जल्द ही इस योजना को अमल में ला सकती है।''गोपनीय दस्तावेजों को तीस वर्ष बाद सार्वजनिक करने की व्यवस्था के कारण ये दस्तावेज प्रकाश में आये हैं जिससे इस बात के पुख्ता सबूत मिलते हैं कि इस तरह की कार्रवाई करने के लिये श्रीमती इंदिरा गांधी को सलाह देने में विदेशी ताकतों का हाथ था।

भारतीय सेना को मई 1984 के अंत में ही सूचना दी गई। सरकार में राजनीतिक सलाह मशविरा तो न के बराबर था। क्या इस बारे में किसी और देश से भी सलाह ली गई थी,?अगर ब्रिटिश सरकार से फरवरी 1984 में सलाह ली गई तो इससे यही प्रतीत होता है कि भारत सरकार को न तो शुरूआती तौर पर इस समस्या के हल के बारे में भरोसा था और न ही उसने स्वर्ण मंदिर को उग्रवादियों से खाली कराने के विकल्प पर गौर किया था। उसे स्वर्ण मंदिर की पवित्रता की परवाह नहीं थी भले ही उसके कारण राष्ट्रहित और निश्चित तौर पर सिखों के हितों पर चोट क्यों न लगे।

अब कुछ ब्रिटिश दस्तावेज सार्वजनिक हो चुके हैं। तीस साल की निर्धारित अवधि के पूरा होने पर अगले कुछ महीनों में फरवरी से जून 1984 के बीच कुछ और दस्तावेज भी सार्वजनिक हो जायेंगे। अब समय आ गया है कि भारत सरकार सच्चाई के बारे में बताये। इससे भारत की जनता को यह समझने में मदद मिलेगी कि क्या आपरेशन ब्लू स्टार के बारे में वास्तव में गलत अनुमान लगाया गया था।

★★★★★